कर्नाटक विधानसभा चुनाव

कर्नाटक के पन्द्रहवें विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 12 मई और मतगणना 15 मई को होगी। नामांकन प्रक्रिया 17 अप्रैल से शुरू होकर 24 अप्रैल तक चलेगी । 25 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच और 27 अप्रैल को नामांकन वापसी होगी। चुनाव को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गाँधी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी ताकत से लगे है। दोनों दल, कांग्रेस एवं भाजपा द्वारा लगातार चुनावी सभाएं की जा रही है। कांग्रेस के वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने पूर्व मख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री का प्रत्याशी घोषित किया है। तीसरे महत्वपूर्ण भूमिका जेडी (एस) की होगी।

14वी विधानसभा जो 2013 में हुई थी जिसमे कांग्रेस को 122 सीट एवं 36 प्रतिशत मत मिले थे। भाजपा को 20 प्रतिशत मत एवं 40 सीट एवं जेडी (एस) 20.20 प्रतिशत मत एवं 40 सीटें मिली थी। समाजवादी पार्टी भी 0.6 प्रतिशत मत के साथ 1 सीट पाने में सफल रही। कर्नाटक जनता पक्ष जिसका नेतृत्व पूर्व मुख्यामंत्री बीएस येदियुरप्पा कर रहे थे उन्हें 6 सीटें और 9.8 प्रतिशत मत मिले थे । बीएस येदियुरप्पा 2018 में भाजपा के मुख्यमंत्री के प्रत्याशी है।

बादागारा श्रमिक रटला कांग्रेस को 4 सीटें और 2.7 प्रतिशत मत और कर्नाटक मक्कल पक्ष को 0.2 प्रतिशत मत और 1 सीट और सर्वोदय कर्नाटक पक्ष 0.5 प्रतिशत मत और 1 सीट मिली। निर्दलीयों को 0.5 प्रतिशत मत और 9 सीटें मिली ।

इसके पहले 2008 में भारतीय जनता पार्टी बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में 110 सीटें जीत कर निर्दलीयों के समर्थन से सरकार बना चुकी है कर्नाटक में 224 विधानसभा सीटें है। 2018 विधानसभा चुनाव को लेकर पोलस्ट्रट सर्वे और युरिड मीडिया ने सयुक्त रूप से मतदाताओं की राय जानी। मतदाताओं की ओपीनियन 2008 एवं 2013 विधानसभा चुनाव परिणाम तथा वर्तमान राजनीतिक हालात का विश्लेषण करने पर यह नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले तक जो स्थितियाँ दिखाई दे रही है उसमें भाजपा, कांग्रेस, जेडी (एस) को पूर्ण बहुमत मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। कर्नाटक चुनाव में लिंगायत जिसकी आबादी 17% है बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारतीय जनता पार्टी ने इसलिए तमाम विरोधो के बाद भी 2013 में भाजपा के विरोध में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले बीएस येदियुरप्पा को पार्टी में शामिल करके उन्ही के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। बीएस येदियुरप्पा लिंगायत के शक्तिशाली नेता के रूप में जाने जाते है।

लिंगायत को अपने पक्ष में करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अलग से लिंगायत को धार्मिक मान्यता दी है और इसका प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है।

लोकसभा की 28 सीटों में लिंगायत के राजनीतिक प्रभाव के चलते 10-12 सांसद चुने जाते है 2014 में मोदी लहर में लिंगायत के प्रभावशाली नेता येदियुरप्पा के साथ न होने से भारतीय जनता पार्टी 2009 में 19 सीटें जीती थी वो घट कर 17 रह गयी। धार्मिक समीकरण के अनुसार 83% हिन्दू 12% मुस्लिम 4% ईसाई वा अन्य जैन और बुद्धा धर्म से जुड़ी जनसख्या है। धार्मिक के आलावा जातीय समीकरण में Lingayats 17%, Muslim 14%, Vokkaliga 16%, Kurubas 8%, SC+ST 18%, OBC 14%, BRAHMAINS AND OTHER FORWARD

URD MEDIA GROUP

CLASS 9%, CHRISTEN 4% है । पूरा चुनाव विकास से ज्यादा जाति एवं धार्मिक ध्रुवीकरण को आधार बना के लड़ा जा रहा है।

विश्लेषण नंबर 1

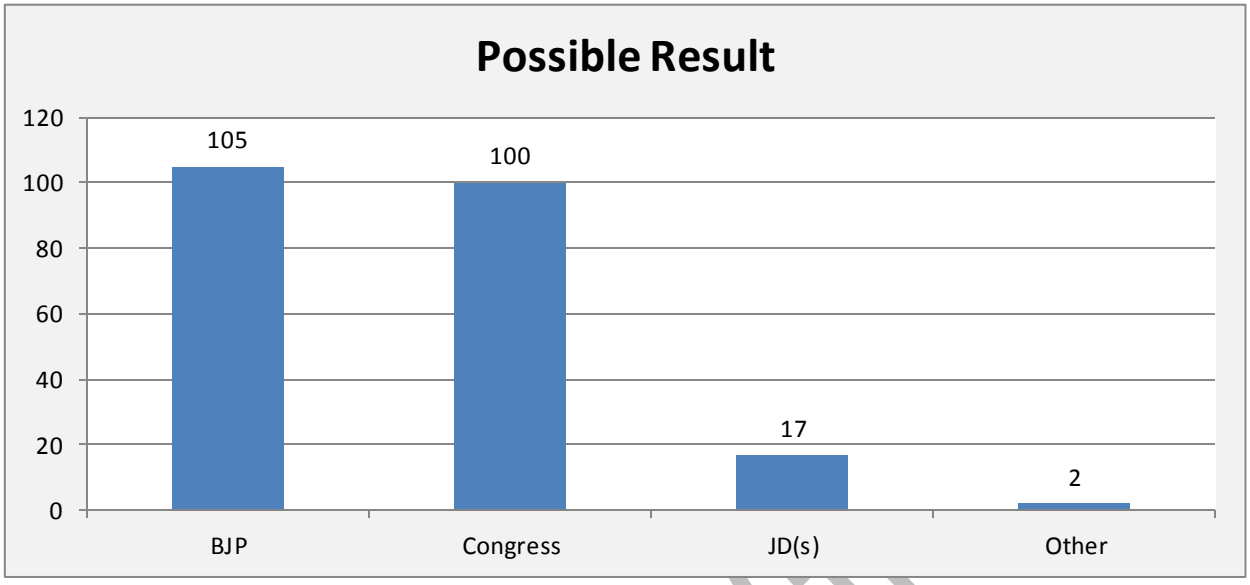

जातीय, धार्मिक, राजनीतिक आदि सभी बिन्दुओ पर मतदाताओं की राय और चुनाव परिणाम के विश्लेषण करने पर यह लग रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों को पूर्ण बहुतमत नहीं मिल पायेगा। भाजपा को 105 तथा कांग्रेस को 100 के बीच की सीटें मिल सकती है। जेडी (एस) एवं अदर्स को 17 वा 2 सीटें मिलने की सम्भावना है।

विश्लेषण नंबर 2

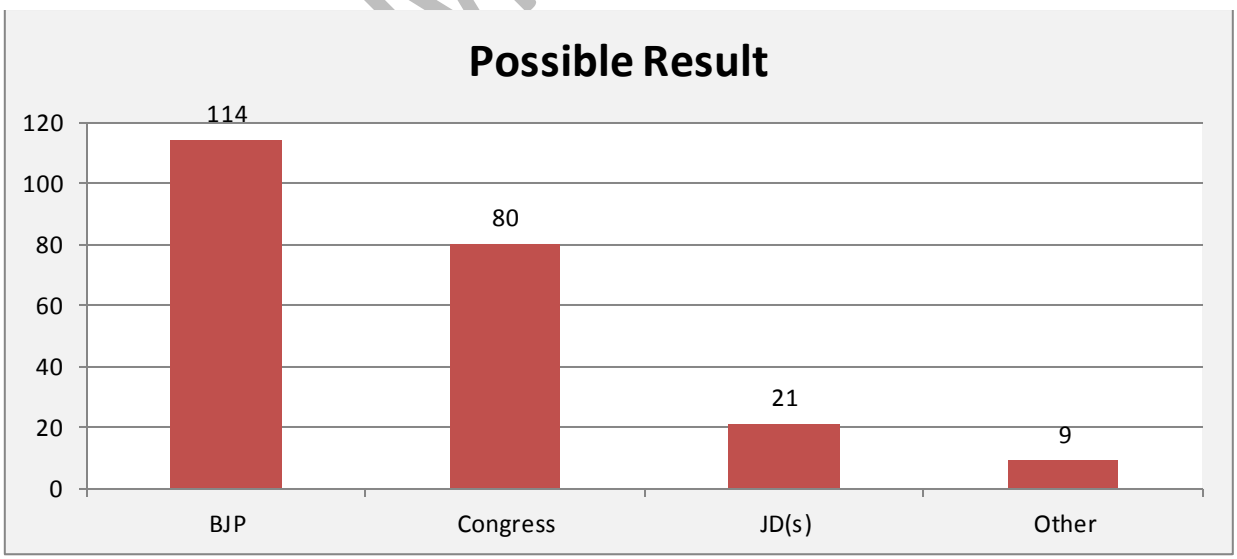

अगर चुनाव के दौरान लिंगायत एवं दलित मतदाता भाजपा की तरफ झुकते है तो बहुमत की सरकार बन सकती है। लेकिन बहुमत की सरकार बनाने में लिंगायत की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

विश्लेषण नंबर 3

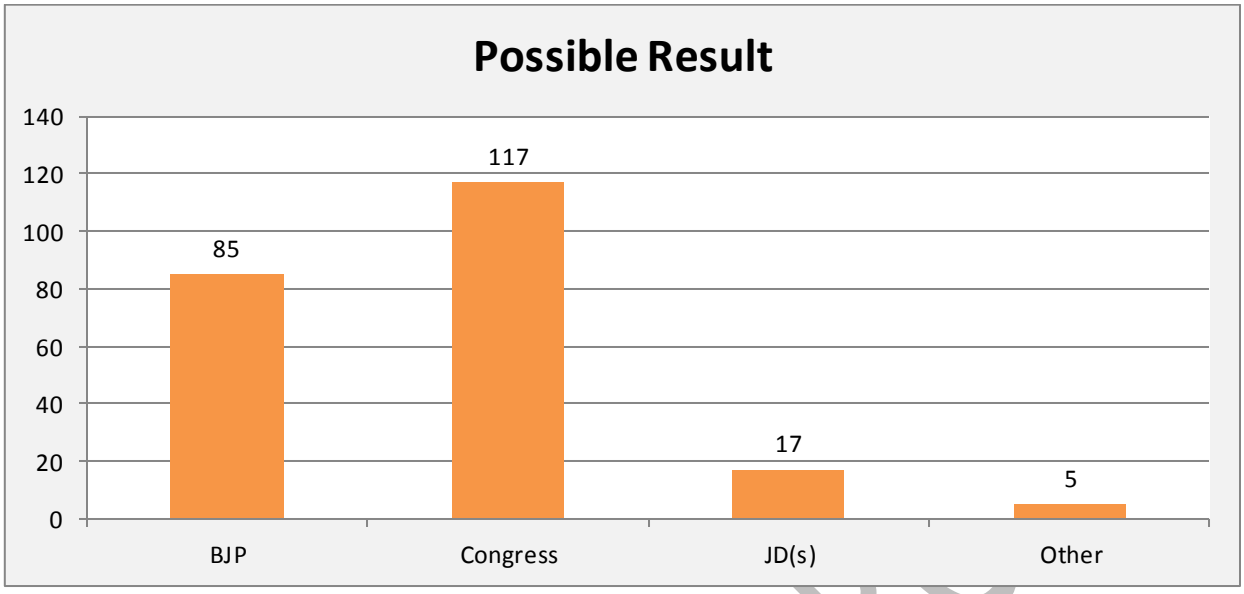

लिंगायत, दलित एवं सवर्ण मतदाताओ को जोड़ने में काँग्रेस सफल हो जाती है तो उसे 117 सीटों के साथ बहुमत हासिल हो सकता है ।

विश्लेषण नंबर 4

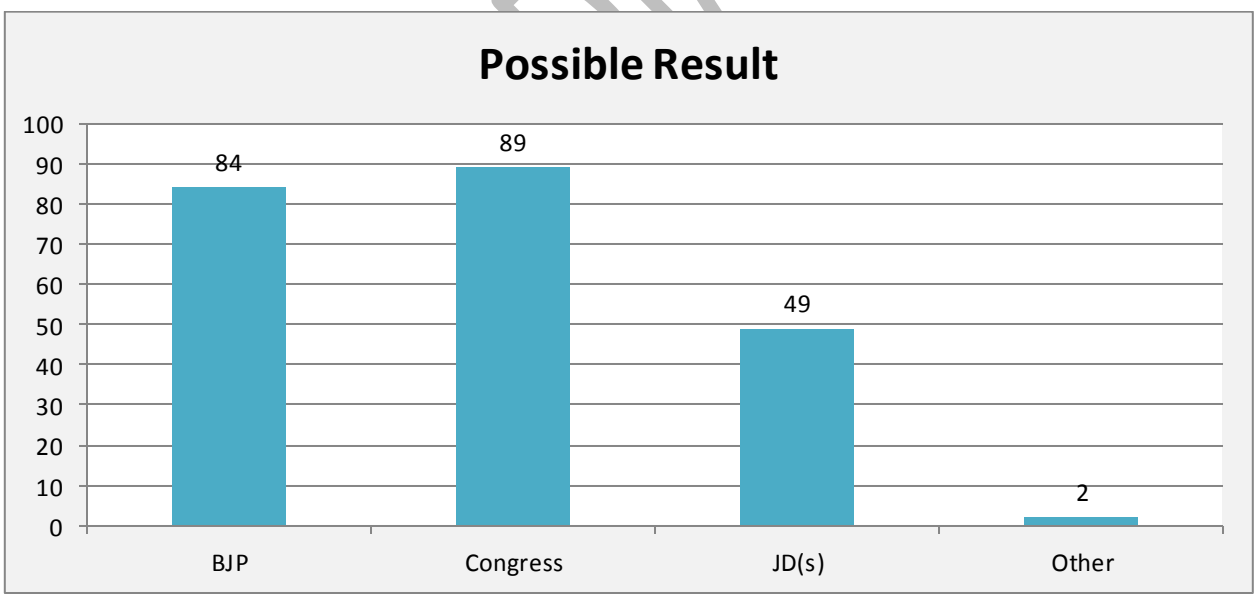

लिंगायत के मतो में विभाजन हुआ तो दलित एवं मुस्लिम जेडी (एस) के साथ जुड़े तो जेडी (एस) को 49 सीटें मिल सकती है जो सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी ।

Karnataka Assembly Elections 2018

Polling for the 15th Assembly elections in Karnataka will be held on May 12 and the counting of votes will be done on May 15. The nomination process will start from April 17 to April 24. On April 25, the nomination papers will be scrutinized and the nominations will be withdrawn on April 27. Congress President Rahul Gandhi and BJP's national president Amit Shah and Prime Minister Narendra Modi are in full form with regard to the elections. Continuous election railly are being held by both the parties, Congress and BJP. The current election is being contested under the leadership of Chief Minister Siddaramaiah. The BJP has declared former Chief Minister BS Yeddyurappa as its Chief Minister's candidate. The third important role would be of JD(S).

The 14th Vidhan Sabha which was held in 2013 in which the Congress got 122 seats and 36 percent of the votes. BJP got 20 percent votes and 40 seats and JD (S) got 20.20 percent votes and 40 seats. The Samajwadi Party also managed to get 1 seat with 0.6 percent votes. The Karnataka Janata Party, which was led by former Chief Minister BS Yeddyurappa, got 6 seats with 9.8 percent votes. BS Yeddyurappa is the BJP's candidate for the BJP in 2018.

Badagara Workers Rattla Congress got 4 seats and 2.7 percent votes and Karnataka Makkal Party got 0.2 per cent votes and 1 seat and Sarvodaya Karnataka Party 0.5 percent votes and one seat. Independents got 0.5 percent votes and 9 seats.

Earlier, in 2008, the government has formed by winning the 110 seats under the leadership of BJP's BS Yeddyurappa. Karnataka assembly ha 224.Polestrat Survey and Urid Media got to know voters mood and their opinion regarding the 2018 Assembly elections. In view of the Opinion 2008 and 2013 assembly election results and current political condition of voters, before the enrollment process begins, the BJP, Congress and JD(S) are not getting the full majority in the existing condition. In Karnataka elections, Lingayat, whose population is 17%, will be played very vital role.The Bharatiya Janata Party, after all the contradiction, is also contesting the election under YS Yeddyurappa leadership, who contested the assembly elections in 2013 against BJP. BS Yeddyurappa is known as the powerful leader of Lingayat.

In order to make Lingayat in his favor, Chief Minister Siddaramaiah has given separate Lingayat religious recognition and has sent the proposal to the Central Government.

Due to the political influence of Lingayat, 10-12 MPs are electedin in 28 Lok Sabha seats. In 2014, Modi wave did not get along with Lingayat influential leader Yeddyurappa, the Bharatiya Janata Party won 19 seats in 2009, it decreased to 17.

According to the religious equation, 83% Hindus, 12% Muslim, 4% are Christian or other Jain and Buddhist people related to religion. Apart from religion, there are lingayats 17%, Muslim 14%, Vokkaliga 16%, kokubas, 8%, SC + ST 18%, obc 14%, brahmains and other forward class 9%, christen 4%. The whole election is being fought on caste and religious polarization rather than development.

URID MEDIA GROUP

Analysis No. 1

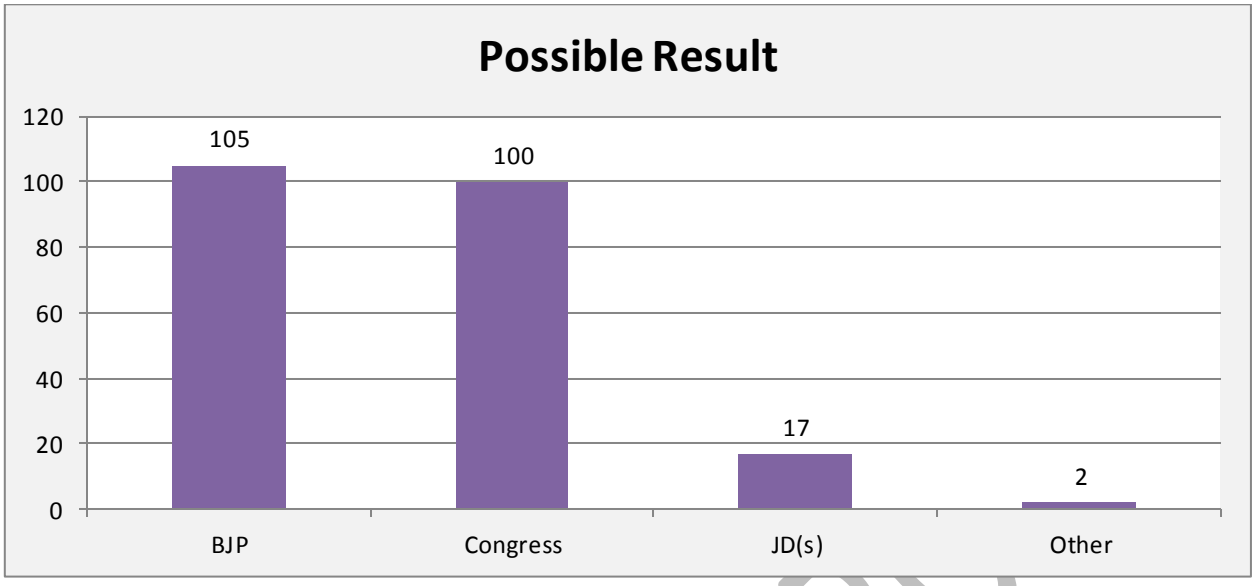

On the opinion of voters and election results on all points of cast, religious, political equation etc, it seems that both the BJP and Congress will not get a full majority. BJP may get 105 and Congress 100 seats. JD(S) and others are likely to get 17 or 2 seats.

Analysis No. 2

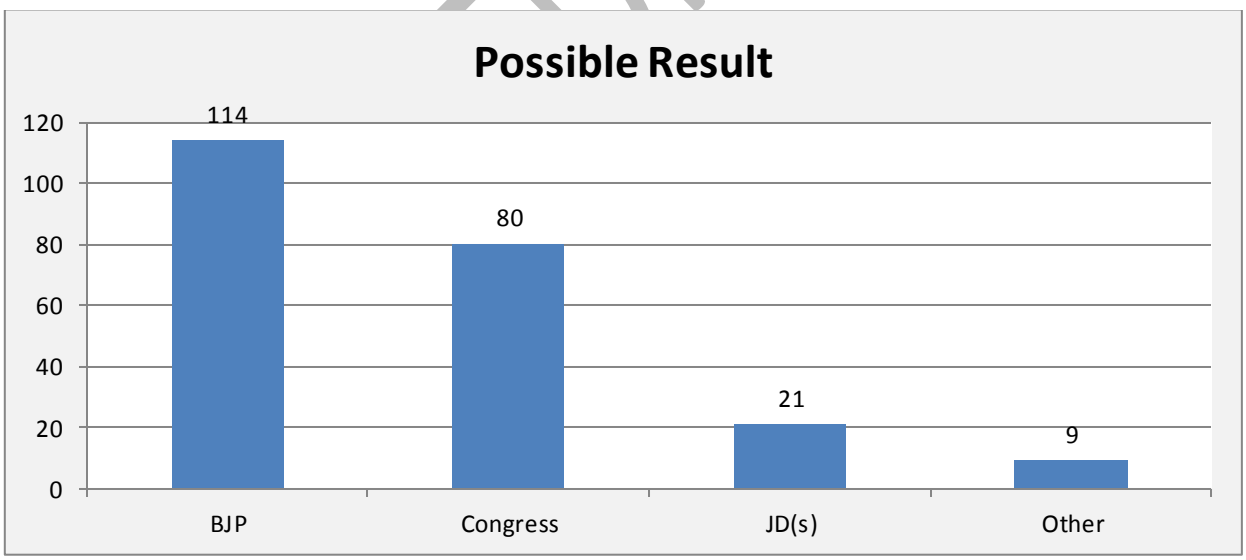

If the Lingayat and Dalit voters turn towards the BJP during the elections, then a majority government can be formed. But Lingayat will also have an important role in forming the government.

Analysis number 3

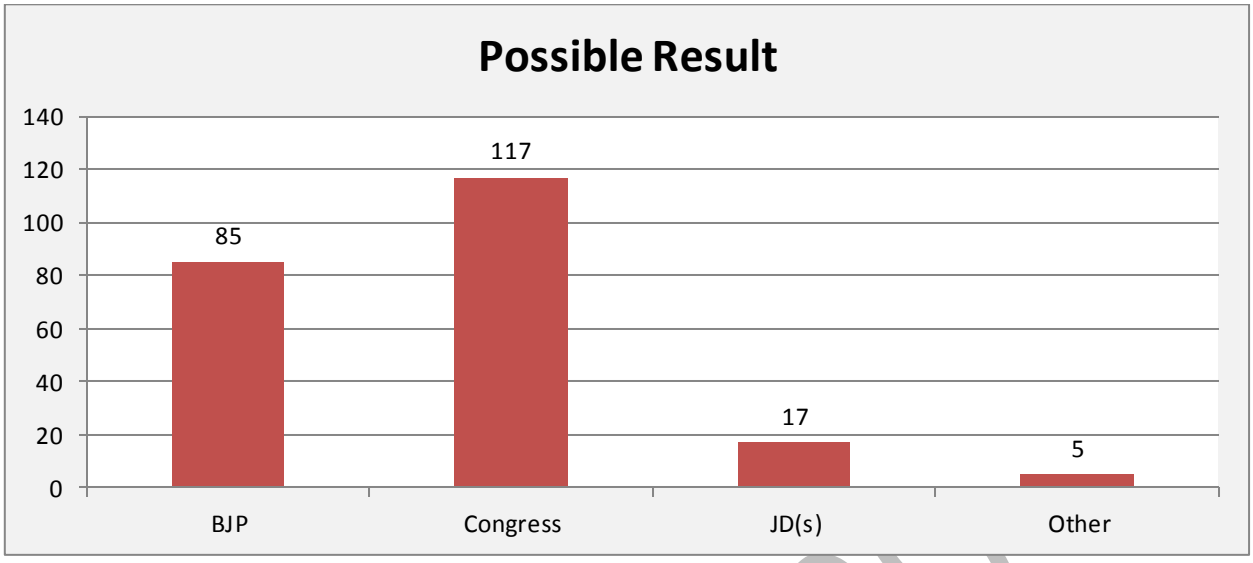

If Congress succeeds in connecting Lingayat, Dalit and upper caste voters, then it can get majority and 117 seats.

Analysis No. 4

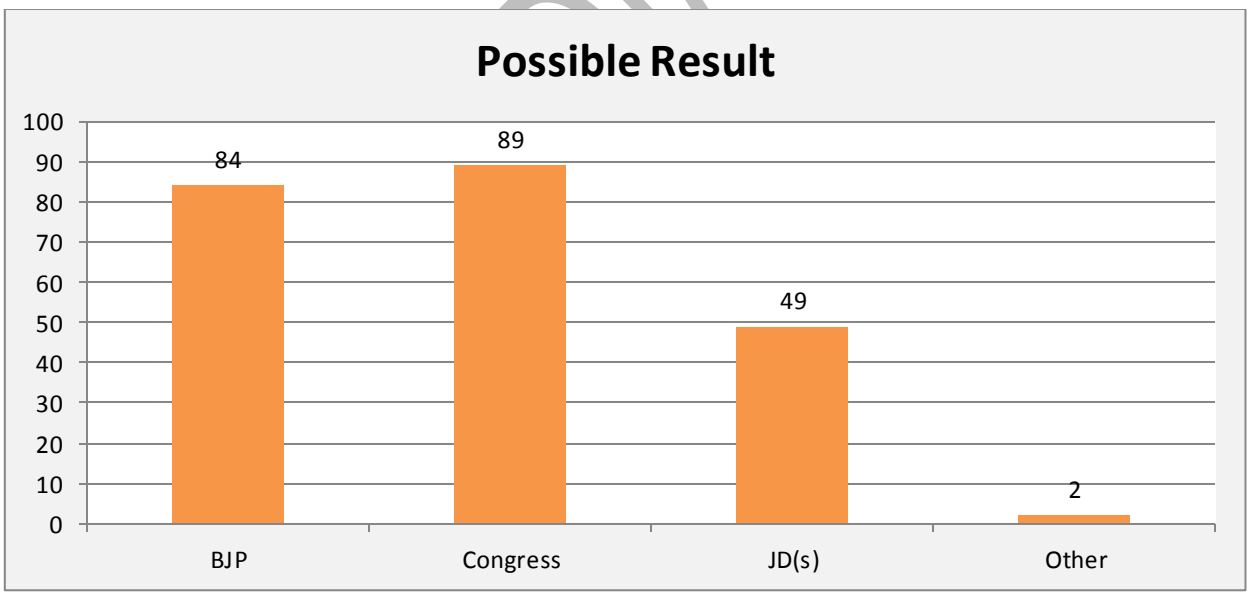

If there is a division in Lingayat, then with the Dalit and Muslim, JD(S) can get 49 seats, which will play a decisive role in forming the government.